कसायपाहुडं भाग-6 (फोल्डर नं. 001412)

मुख्य टाइटल
विषय-सूची
मङ्गलाचरण ----------1
प्रदेशविभक्ति कहनेकी सूचना ----------2
प्रदेशविभक्तिके दो भेद----------2
सूत्रमें आये हुए दो 'च' शब्दोंकी सार्थकता ----------2
मूलप्रकृतिप्रदेशविभक्ति ---------- 2-49
मूलप्रदेशविभक्ति कहनेके बाद उत्तर प्रदेशविभक्ति कहनेकी सूचना----------2
पुनः प्रदेशविभक्तिके दो भेदोंका निर्देश करके मूलप्रदेशविभक्तिके 22 अनुयोगद्वारोंके साथ शेष अनुयोगद्वारों का नाम निर्देश----------3
भागाभागके दो भेदोंका नामनिर्देश ----------3
जीवभागाभागके दो भेद ----------3
उत्कृष्ट जीवभागाभागका कथन ----------3
जघन्य जीवभागाभागका कथन----------4
प्रदेशभागाभागके दो भेद ----------4
उत्कृष्ट प्रदेशभागाभागका कथन----------4
जघन्य प्रदेशभागाभागका कथन----------7
सर्व-नोसर्वप्रदेशविभक्तिका कथन ----------8
उत्कृष्ट-अनुत्कृष्ट प्रदेशविभक्तिका कथन----------8
सादि आदि प्रदेशविभक्ति कथन----------8
स्वामित्वके दो भेद ----------9
उत्कृष्ट स्वामित्व कथन----------9
जघन्य स्वामित्व कथन---------- 13
कालानुगमके दो भेद ---------- 14
उत्कृष्ट काल कथन---------- 14
जघन्य काल कथन---------- 17
अन्तरानुगमके दो भेद---------- 18
उत्कृष्ट अन्तर कथन---------- 18
जघन्य अन्तर कथन---------- 19
नाना जीवोंकी अपेक्षा भङ्गविचयके दो भेद---------- 19
नाना जीवोंकी अपेक्षा उत्कृष्ट भङ्गविचय---------- 19
नाना जीवोंकी अपेक्षा जघन्य भङ्गविचय---------- 20
परिमाणके दो भेद ---------- 21

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

उत्कृष्ट परिमाण ---------- 21
जघन्य परिमाण---------- 21
क्षेत्रके दो भेद---------- 22
उत्कृष्ट क्षेत्र---------- 22
जघन्य क्षेत्र---------- 22
स्पर्शनके दो भेद ---------- 22
उत्कृष्ट स्पर्शन ---------- 22
जघन्य स्पर्शन ---------- 23
कालके दो भेद ---------- 25
उत्कृष्ट काल ---------- 25
जघन्य काल---------- 26
अन्तरके दो भेद ---------- 26
उत्कृष्ट अन्तर ---------- 26
जघन्य अन्तर---------- 27
भाव कथन---------- 27
अल्पबहुत्व के दो भेद ---------- 27
उत्कृष्ट अल्पबहुत्व ---------- 27
जघन्य अल्पबहुत्व---------- 27
भुजगार प्रदेशविभक्ति ----------28-35
भुजगार विभक्तिके 13 अनुयोगद्वार---------- 28
समुत्कीर्तना ---------- 28
स्वामित्व ---------- 28
काल ---------- 29
अन्तर ---------- 30
नाना जीवोंकी अपेक्षा भङ्गविचय ---------- 31
भागाभाग---------- 32
परिमाण ---------- 33
क्षेत्र ---------- 33
स्पर्शन---------- 33
काल ---------- 34
अन्तर ---------- 34
भाव ----------35
अल्पबहुत्व ---------- 35
पदनिक्षेप----------36-41
पदनिक्षेपके 3 अनुयोगद्वार ---------- 36

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

समुत्कीर्तनाके दो भेद---------- 36
उत्कृष्ट समुत्कीर्तना---------- 36
जघन्य समुत्कीर्तना---------- 36
स्वामित्वके दो भेद---------- 36
उत्कृष्ट स्वामित्व---------- 36
जघन्य स्वामित्व---------- 40
अल्पबहुत्वके दो भेद---------- 41
उत्कृष्ट अल्पबहुत्व---------- 41
जघन्य अल्पबहुत्व---------- 41
वृद्धिविभक्ति ----------41-49
वृद्धिविभक्तिके 13 अनुयोगद्वार---------- 41
समुत्कीर्तना---------- 41
स्वामित्व---------- 41
काल---------- 41
अन्तर---------- 43
नाना जीवोंकी अपेक्षा भङ्गविचय---------- 44
भागाभाग ---------- 44
परिमाण---------- 45
क्षेत्र ----------46
स्पर्शन ---------- 46
काल---------- 47
अन्तर---------- 48
भाव ----------48
अल्पबहुत्व---------- 49
स्थानप्ररूपणाके कथन करनेकी सूचना---------- 49
उत्तरप्रकृतिप्रदेशविभक्ति ----------50-392
उत्तरप्रकृतिप्रदेशविभक्तिके 23 अनुयोग 23 द्वारोंके साथ अन्य अनुयोगद्वारोंकी सूचना---------- 50
आदिके अन्य अनुयोगद्वारोंको छोड़कर चूर्णिसूत्रोंमें स्वामित्वके कहनेका कारण---------- 50
भागाभागके दो भेद---------- 50
जीवभागभागको स्थगित कर पहले प्रदेशभागाभाग कहनेकी प्रतिज्ञा---------- 50
प्रदेशभागाभागके दो भेद ---------- 50
उत्कृष्ट प्रदेशभागाभाग ---------- 50
जघन्य प्रदेशभाघाभाग---------- 64
सर्व-नोसर्वप्रदेशविभक्ति---------- 70
उत्कृष्ट-अनुत्कृष्टि प्रदेशविभक्ति ---------- 70

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

जघन्य-अजघन्य प्रदेशविभक्ति ---------- 70
सादि-आदि प्रदेशविभक्ति ---------- 70
चूर्णिसूत्रके अनुसार मिथ्यात्वका उत्कृष्ट स्वामित्व ---------- 72
बारह कषाय और छह नोकषायोंका उत्कृष्ट स्वामित्व ---------- 72
सम्यग्मिथ्यात्वका उत्कृष्ट स्वामित्व ---------- 81
सम्यक्त्वका उत्कृष्ट स्वामित्व ---------- 88
नपुंसकवेदका उत्कृष्ट स्वामित्व ---------- 91
स्त्रीवेदका उत्कृष्ट स्वामित्व ---------- 99
पुरुषवेदका उत्कृष्ट स्वामित्व ---------- 104
क्रोध संज्वलनका उत्कृष्ट स्वामित्व ---------- 110
मान संज्वलनका उत्कृष्ट स्वामित्व ---------- 113
माया संज्वलनका उत्कृष्ट स्वामित्व ---------- 114
लोभ संज्वलनका उत्कृष्ट स्वामित्व ---------- 114
उच्चारणाके अनुसार 28 प्रकृतियोंका उत्कृष्ट स्वामित्व ---------- 114
चूर्णिसूत्रोंके अनुसार मिथ्यात्वका जघन्य स्वामित्व ---------- 124
सम्यग्मिथ्यात्वका जघन्य स्वामित्व ---------- 202
सम्यक्त्वका जघन्य स्वामित्व ---------- 244
आठ कषायोंका जघन्य स्वामित्व ---------- 249
अनन्तानुबन्धीका जघन्य स्वामित्व ---------- 256
नपुंसकवेदका जघन्य स्वामित्व ---------- 267
स्त्रीवेदका जघन्य स्वामित्व ---------- 291
पुरुषवेदका जघन्य स्वामित्व ---------- 291
क्रोधसंज्वलनका जघन्य स्वामित्व ---------- 377
मान-माया संज्वलनका जघन्य स्वामित्व ---------- 382
लोभसंज्वलनका जघन्य स्वामित्व ---------- 383
छह नोकषायोंका जघन्य स्वामित्व ---------- 385
उच्चरणाके अनुसार जघन्य स्वामित्व ---------- 386

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org